Activities conducted under EBSB for the month of September, 2020

L.N.D. College, Motihari

East Champaran, Bihar-845401
(A constituent Unit of B.R.A. Bihar University, Muzaffarpur)
NAAC accredited by B+

Sl. No.	Name of the College	Name of Activities undertaken	Date	No. of participants	Remarks
1.	**Laxmi Narayan Dubey College, Motihari**	1. National Webinar on"Entrepreneurship opportunities in aquaculture for the youth of Bihar"	12th September, 2020	150	Successful
		2. "Rshtriya Yuva Kavi Gosthi"	16th September, 2020	100	Successful

<u>Newspaper reports of the above mentioned Programmes are showing below:</u>

एलएनडी कॉलेज में जलीय कृषि-मत्स्यपालन पर राष्ट्रीय वेब संगोष्ठी संपन्न

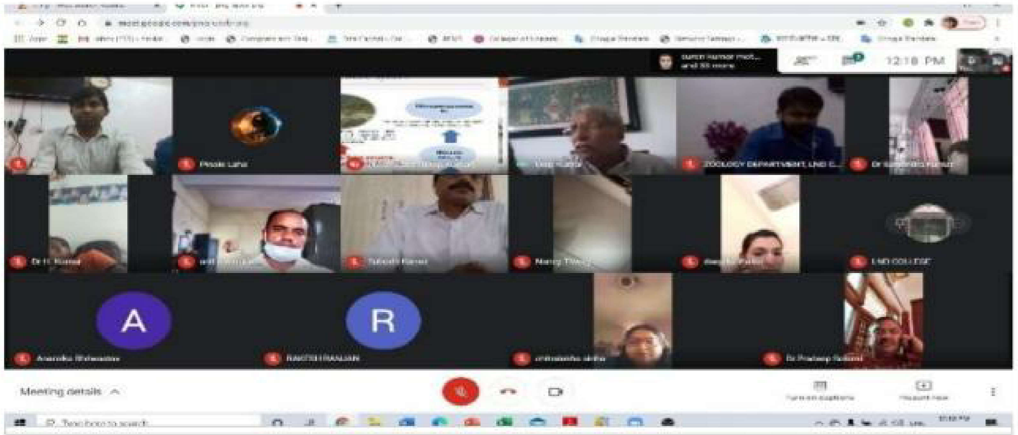

बीएनएम@मोतिहारी

मोतिहारी। ऑनलाइन बेब संगोष्ठी श्रृंखलाओं की कड़ी में शनिवार को लक्ष्मी नारायण दुबे महाविद्यालय, मोतिहारी में आंतरिक गुणवत्ता निश्चयन प्रकोष्ठ द्वारा राष्ट्रीय बेव संगोष्ठी आयोजित की गई। बेब संगोष्ठी का विषय Entrepreneurship opportunities in Aquaculture for the Youth of Bihar बिहार के युवाओं के लिए जल संवर्धन/जलीय कृषि के क्षेत्र में उद्यमिता की सम्भावनाएं थी। वेब संगोष्ठी के अध्यक्ष-सह-प्राचार्य प्रो. (डॉ.)अरुण कुमार ने अतिथि वक्ता एवं प्रतिभागियों का आतिथ्य-सह- स्वागत करते हुए गुगल मीट एप पर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने रोजगार सृजनशीलता के दृष्टिकोण से जलीय कृषि को अपार संभावनाओं वाला क्षेत्र बताया। आईक्यूएसी समन्वयक डॉ.पिनाकी लाहा ने मुख्य आमंत्रित वक्ता व जलीय कृषि एवं मत्स्य शिक्षा के प्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉ. दिलीप कुमार का परिचय कराते हुए कहा कि ये भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् केन्द्रीय मत्स्य शिक्षा संस्थान (सिफे) मुंबई के पूर्व कुलपति-सह-निदेशक पद को भी सुशोभित कर चुके हैं। भारत सरकार द्वारा निर्मित जलीय कृषि/ मत्स्यपालन नीतियों के निर्माण में भी इनकी महती भूमिका रही है। संगोष्ठी के आयोजक सचिव-सह-जंतु विज्ञान प्राध्यापक डॉ. नीरज कुमार ने विषय प्रवर्तन कराते हुए विद्वान वक्ता डॉ. दिलीप कुमार को व्याख्यान हेतु आमंत्रित किया। अतिथि व्याख्यान देते हुए उन्होंने पॉवरपॉइंट द्वारा बिहार में मात्स्यिकी एवं जलकृषि पर विस्तृत रूप प्रकाश डाला। उन्होंने इनलैंड फिशरीज के बारे में चर्चा करते हुए बिहार समेत अन्य राज्यों में महत्वपूर्ण व्यावसायिक एवं खाने योग्य मछलियों की प्रजातियों के पालन के तरीके का विस्तृत वर्णन किया।

बिहार में उपलब्ध आर्द्रभूमि एवं अन्य जल स्त्रोतों का समुचित एवं वैज्ञानिक तरीके से जलकृषि व मत्स्य पालन के लिए उपयोग करने के तरीकों से भी अवगत कराया। अपने संबोधन में उन्होंने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत मत्स्यपालन एवं जलकृषि के क्षेत्र में सरकार द्वारा अगले पांच सालों में होने वाले महत्वपूर्ण योजनाओं को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि जलीय संसाधन में धनी क्षेत्रों में मत्स्य पालन के साथ-साथ झींगा पालन, मोती पालन, सिंघाड़ा व मखाना उत्पादन एवं अन्य जलीय जीवों के व्यावसायिक उत्पादन की असीम संभावनाएं मौजूद हैं। जलीय संवर्धन/ जलीय कृषि के माध्यम से बिहार जैसे पिछड़े राज्यों में बेरोजगारी को न्यूनतम किया जा सकता है। संगोष्ठी समन्वयक प्रो.अरविंद कुमार ने व्याख्यान के अंत में निष्कर्ष को प्रस्तुत करते हुए बताया कि बिहार के मिथिलांचल एवं सीमांचल की भांति अन्य जलप्लावित क्षेत्रों में सिंघाड़ा व मखाना उत्पादन को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। जलकुंभी का जैव खाद के रूप में उपयोग कर जैव कृषि को भी समुन्नत किया जा सकता है। तकनीकी समन्वयक डॉ. सर्वेश दुबे द्वारा चाट बॉक्स में प्रतिभागियों द्वारा पृच्छित प्रश्नों को सम्मानित वक्ता के समक्ष रखकर उनका मंतव्य जाना गया।

जलीय संवर्धन से बेरोजगारी हो सकती है कम : डॉ. दिलीप

झींगा पालन, मोती पालन, सिंघाड़ा व मखाना उत्पादन की संभावनाएं

सिटी रिपोर्टर | मोतिहारी

शहर के एलएनडी कॉलेज में शनिवार को आंतरिक गुणवत्ता निश्चयन प्रकोष्ठ की ओर से राष्ट्रीय वेब संगोष्ठी आयोजित की गई। बिहार के युवाओं के लिए जल संवर्धन/जलीय कृषि के क्षेत्र में उद्यमिता की संभावनाएं विषय पर आयोजित इस संगोष्ठी की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. (डॉ.)अरुण कुमार ने की। उन्होंने रोजगार सृजनशीलता के दृष्टिकोण से जलीय कृषि को अपार संभावनाओं वाला क्षेत्र बताया। आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. पिनाकी लाहा ने मुख्य वक्ता व जलीय कृषि एवं मत्स्य शिक्षा के वैज्ञानिक डॉ. दिलीप कुमार का परिचय दिया। संगोष्ठी के आयोजक सचिव सह जंतु विज्ञान प्राध्यापक डॉ. नीरज कुमार ने संगोष्ठी का विषय प्रवर्तन किया। बतौर मुख्य अतिथि पूर्व निदेशक सह कुलपति सिफे मुंबई, डॉ. दिलीप कुमार ने पावरपाइंट के माध्यम से बिहार में मात्स्यिकी एवं जलकृषि पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत मत्स्यपालन एवं जलकृषि के क्षेत्र में सरकार द्वारा अगले पांच साल की महत्वपूर्ण योजनाओं को रेखांकित किया। कहा कि जलीय संसाधन में धनी क्षेत्रों में मत्स्य पालन के साथ-साथ झींगा पालन, मोती पालन, सिंघाड़ा व मखाना उत्पादन एवं अन्य जलीय जीवों के व्यावसायिक उत्पादन की असीम संभावनाएं हैं। जलीय संवर्धन व जलीय कृषि से बिहार जैसे पिछड़े राज्यों में बेरोजगारी को न्यूनतम किया जा सकता है। संगोष्ठी के समन्वयक प्रो. अरविंद कुमार ने बताया कि बिहार के मिथिलांचल एवं सीमांचल की भांति अन्य जलप्लावित क्षेत्रों में सिंघाड़ा व मखाना उत्पादन को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। जलकुंभी का जैव खाद के रूप में उपयोग कर जैव कृषि को भी समुन्नत किया जा सकता है। कार्यक्रम की सफलता में डॉ. सर्वेश दुबे, डॉ. राधेश्याम, डॉ. कुमार राकेश रंजन, डॉ. सुबोध कुमार, डॉ. राजेश कुमार सिन्हा थे।

राष्ट्रीय युवा कवि-गोष्ठी
(आई.क्यू.ए.सी. के तत्वावधान में)
दिनांक: 16 सितंबर, 2020
समय: पूर्वाहन 11:45 बजे से
अफसाना हयात, नई दिल्ली
मिथिलेश कुमार राय, सुपौल
एकता प्रकाश, पटना
दीपक जायसवाल, उत्तर प्रदेश
घुंघरू परमार, कोलकाता
नताशा वत्स, पटना
अस्मुरारी नंदन मिश्र, मध्यप्रदेश
अंकिता रासुरी, उत्तराखंड
जगदीश सौरभ, झारखंड
रश्मि प्रिया, पटना
संरक्षक
प्रो. अरुण कुमार
प्राचार्य
गोष्ठी-अध्यक्ष
आलोकधन्वा
प्रसिद्ध कवि
समन्वयक
डॉ. कुमार राकेश रंजन
अध्यक्ष, राजनीति वि.
आयोजन सचिव
डॉ. राधे श्याम
अध्यक्ष, हिंदी विभाग
पंजीकरण लिंक-
https://forms.gle/TZyqJSz7cyPbkJoin CVB6
Join Only One Whatsapp Group from following
1. https://chat.whatsapp.com/IpEnw60bvy6KzSwrEr9G0N
2. https://chat.whatsapp.com/BujBzea2LkBKWcs7ityRyE
हिंदी विभाग,
लक्ष्मी नारायण दुबे महाविद्यालय, मोतिहारी,
पूर्वी चंपारण, बिहार
Join Zoom Meeting
https://us02web.zoom.us/j/88024558552
Meeting ID: 880 2455 8552
YouTube Link- https://youtu.be/_51REvShmhQ

26 सितंबर तक भरा जाएगा।

'चिड़िया, बादल, तितली, एक सुंदर अफसाना मां...

मोतिहारी | निज प्रतिनिधि

कवि-गोष्ठी

- एलएनडी कॉलेज में राष्ट्रीय युवा कवि-गोष्ठी संपन्न
- कविताओं ने मानवीय अहसास व प्रेम का किया मनमोहक चित्रण

एलएनडी कॉलेज में आईक्यूएसी द्वारा बुधवार को राष्ट्रीय युवा कवि/कवयित्री वेब संगोष्ठी आयोजित की गई। यह काव्य गोष्ठी हिंदी विभाग की ओर से आयोजित की गई। गोष्ठी में कॉलेज के प्राचार्य प्रो.(डॉ.) अरुण कुमार ने देश के विभिन्न प्रान्तों से जुड़े कवि/कवयित्रियों का स्वागत किया। इन्होंने गोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे कवि आलोकधन्वा का स्वागत किया।

गोष्ठी में उत्तर-प्रदेश से दीपक जायसवाल, उत्तराखंड से अंकिता रासुरी, मध्यप्रदेश से अस्मूरारी नंदन मिश्र, पटना, बिहार से नताशा वत्स, सुपौल, बिहार से मिथिलेश कुमार राय, पटना, बिहार से एकता प्रकाश, नई दिल्ली से अफसाना हयात, पटना, बिहार से रश्मि प्रिया, भागलपुर, बिहार से घुंघरू परमार तथा झारखण्ड से जगदीश सौरभ ने अपनी कविताओं, शेर व गजल से देश, दुनिया, समाज, राजनीति, प्रकृति, मानवीय अहसास, प्रेम का मनमोहक चित्रण प्रस्तुत किया। कवयित्री नताशा वत्स ने कहा-'प्रथम बार मेरा गर्व धूं धूं कर जल उठा सम्राट अशोक, जब देखा तुम लाशों के पुल पर खड़े थे..' को प्रस्तुत किया। वहीं, कवि जगदीश सौरभ ने 'चिड़िया, बादल, तितली, बारिश एक सुंदर अफसाना मां, नींद में बिस्तर, प्यास में पानी, भूख में दाना-दाना मां' प्रस्तुत कर प्रभावित किया। अन्य कवियों ने भी एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दी। अध्यक्षता कर कवि आलोक धन्वा ने की। गोष्ठी के अंत में राजनीति विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. कुमार राकेश रंजन ने सभी प्रतिभावान कवियों/कवयित्रियों की काव्य रचनाओं का विश्लेष्ण करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। गोष्ठी में मीडिया प्रभारी डॉ. कुमार राकेश रंजन के अनुसार, ऑनलाइन संगोष्ठी में डॉ.सुबोध कुमार, डॉ.राजेश. कुमार सिन्हा, प्रो. दुर्गेशमणि तिवारी, प्रो.राकेश रंजन कुमार, डॉ.जौवाद हुसैन, डॉ.नीरज कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

एलएनडी कॉलेज में राष्ट्रीय कवि गोष्ठी संपन्न

कुमार तेजस्वी

मोतिहारी। ऑनलाइन बेब संगोष्ठी श्रृंखलाओं की कड़ी में बुधववार को लक्ष्मी नारायण दुबे महाविद्यालय, मोतिहारी में आंतरिक गुणवत्ता निश्चयन प्रकोष्ठ द्वारा राष्ट्रीय युवा कवि/कवयित्री गोष्ठी आयोजित की गई। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की कर्मभूमि चंपारण में स्थित लक्ष्मी नारायण दुबे महाविद्यालय, मोतिहारी के प्राचार्य प्रो.अरुण कुमार द्वारा इस काव्य गोष्ठी में शामिल प्रबुद्धजनों एवं प्रतिभागियों का स्वागत-सह-अभिनंदन करते हुए गोष्ठी का शुभारंभ किया गया। उन्होंने कहा कि इस तरह की साहित्यिक गतिविधियों से महाविद्यालय की गरिमा बढ़ेगी तथा राष्ट्रीय पहचान भी मिलेगी। विदित हो कि इस युवा कवि गोष्ठी में भारतवर्ष के विभिन्न प्रांतों से प्रतिनिधित्व करनेवाले युवा कवियों एवं कवयित्रियों ने अपने काव्य पठन से लक्ष्मी नारायण दुबे महाविद्यालय एवं चंपारण को अनुगृहीत कर दिया। नवोदित कवियों की काव्य रचनाओं में रचनात्मकता एवं सृजनशीलता का संदेश छिपा हुआ था।

सहायक वाणिज्य कर आयुक्त, कानपुर एवं कुशीनगर उ. प्र. के युवा कवि दीपक जायसवाल की काव्य मधुरता अनुपम थी। इन्होंने श्रोताओं की दीपज्योति को दीप्तमान कर दिया। टिहरी गढ़वाल, उत्तराखंड की प्रख्यात कवयित्री अंकिता रासुरी के काव्य ने साहित्य-प्रेमियों के हृदय में एक अलग जगह बनायी है। विदिशा, मध्य प्रदेश से सहायक प्राध्यापक प्रो. अस्मुरारी नंदन मिश्र की कविताओं में सामाजिक विषमता के विरुद्ध ज्वलंत प्रतिरोध की झलक मिली। उ.वि. मनेर पटना की शिक्षिका नताशा वत्स ने अपनी कविता द्वारा अगमकुंआ व पटना के स्थानीय जीवन को राष्ट्रीय क्षितिज पर ला खड़ा किया। बिहार के सुपौल सुपुत्र मिथिलेश

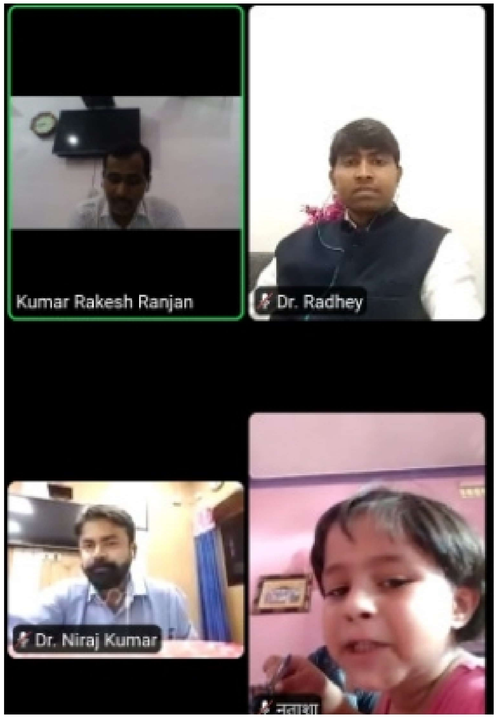

कुमार राय की सादगीपूर्ण काव्य अभिव्यक्ति भी प्रशंसनीय रही। बिहार की सहरसा सुपुत्री एकता प्रकाश के काव्य पठन से अनेकता में एकता की अनुभूति प्रतिबिंबित हुई। नई दिल्ली की नवोदित विदुषी डॉ.अफसाना हयात की कविता ने स्त्री विमर्श को पुनः केंद्र में ला दिया। पटना से प्रतिभासंपन्न युवा कवयित्री रश्मि प्रिया जी की प्रिय कविता ने श्रोताओं के मानस पटल पर अमिट छाप छोड़ दी। घुंघरू परमार की काव्य रचना से घुंघरू की प्रतिध्वनि निकलती प्रतीत हुई। झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय में हिंदी के सहायक प्राध्यापक एवं गजल गायक युवा कवि जगदीश सौरभ इस गोष्ठी के गौरव रहे।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा के जुझारू व्यक्तित्व एवं तराशी हुई अभिव्यक्ति के क्रांतिकारी जनकवि आलोक धन्वा की रचनाओं में इंसानी सरोकार के साथ-साथ रेलवे, हवा, पानी, पशु-पक्षी, चांद-तारे तक सब-कुछ शामिल हैं। दुनिया रोज बनती है, समुद्र और चांद, पक्षी और तारे, भागी हुई लड़कियां तथा छतों पर लड़कियां जैसी अनेक कविताओं के कारण काव्य प्रेमी इनका पूर्व से ही ऋणी है। कवि गोष्ठी के अंत में अध्यक्षीय दायित्व संभाल रहे प्रख्यात कवि आलोक धन्वा ने समीक्षा प्रस्तुत की। इनकी उपस्थिति से काव्यरूपी संगम में स्नान करने की अनुभूति हो रही थी। इस कवि गोष्ठी का सफल संचालन हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ.राधेश्याम द्वारा किया गया। इनकी काव्य गतिशीलता की मिठास शहद से भी ज्यादा मीठी रही है। मीडिया प्रभारी डॉ. कुमार राकेश रंजन द्वारा सभी उभरते नवोदित युवा कवियों/कवयित्रियों व प्रतिभागियों को साभार साधुवाद ज्ञापित किया गया। इस ऑनलाइन संगोष्ठी में महाविद्यालय से इतिहास अध्यक्ष डॉ.सुबोध कुमार, दर्शनशास्त्र अध्यक्ष डॉ.राजेश कुमार सिन्हा, अर्थशास्त्र अध्यक्ष प्रो. दुर्गेशमणि तिवारी, भूगोल अध्यक्ष प्रो.राकेश रंजन कुमार, उर्दू अध्यक्ष डॉ.जौवाद हुसैन व डॉ.नीरज कुमार सहित सभी अतिथि प्राध्यापक, सभी शिक्षकेतर कर्मी एवं देश के बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, झारखंड, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़ इत्यादि राज्यों से भी शिक्षाविद्, शोधकर्ता व छात्र/छात्राएं उपस्थित थे।

वेब संगोष्ठी एलएनडी महाविद्यालय में राष्ट्रीय युवा कवि गोष्ठी का आयोजन

युवा कवियों ने जीवन के स्पंदन का कराया अहसास

- एलएनडी कॉलेज में राष्ट्रीय युवा कवि गोष्ठी का हुआ ऑनलाइन आयोजन
- देश के विभिन्न हिस्सों के कवियों ने सम सामयिक विषयों को भी छुआ

जासं, मोतिहारी : ऑनलाइन वेब संगोष्ठी की श्रृंखला की कड़ी में बुधवार को लक्ष्मी नारायण दुबे महाविद्यालय मोतिहारी में आंतरिक गुणवत्ता निश्चयन प्रकोष्ठ द्वारा राष्ट्रीय युवा कवि गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह काव्य गोष्ठी हिंदी विभाग की ओर से आयोजित की गई। हिंदी के विभागाध्यक्ष ने गोष्ठी का सफल संचालन किया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) अरुण कुमार ने देश के विभिन्न प्रांतों से जुड़े कवियों का स्वागत किया। उन्होंने गोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे बिहार के जाने माने वरिष्ठ कवि आलोक धन्वा का स्वागत करते हुए उनका साधुवाद भी किया। प्राचार्य ने कहा कि इस तरह की साहित्यिक गतिविधियों से महाविद्यालय की गरिमा बढ़ेगी तथा राष्ट्रीय पहचान भी मिलेगी। इस गोष्ठी में उत्तर-प्रदेश से दीपक जायसवाल, उत्तराखंड से अंकिता रासुरी, मध्यप्रदेश से अस्मुरारी नंदन मिश्र, पटना से नताशा वत्स, सुपौल से मिथिलेश कुमार राय, पटना से एकता प्रकाश, नई दिल्ली से अफसाना हयात, पटना से रश्मि प्रिया, भागलपुर से घुंघरू परमार तथा झारखंड से जगदीश सौरभ ने अपनी कविताओं, शेर एवं गजल से देश, दुनिया, समाज, राजनीति, प्रकृति, मानवीय एहसास एवं प्रेम का मनमोहक चित्रण प्रस्तुत किया। गोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ कवि आलोक धन्वा ने युवा कवियों को आशर्वाद देते हुए भाषायी नसीहतें भी दीं। जीवन के स्पंदन को सूक्ष्मता से महसूस करने वाले कवि ने कहा कि अपने साथ अपने आस-पास के जीवन पर भी नजर रखें। सबसे सुंदर फूल घास में खिलते हैं। गोष्ठी के अंत में राजनीति विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. कुमार राकेश रंजन ने सभी प्रतिभावान कवियों की काव्य रचनाओं का विश्लेषण करते हुए आभार प्रकट किया। उन्होंने संवाद प्रेषित करते हुए कहा कि ऑनलाइन संगोष्ठी में इतिहास के विभागाध्यक्ष डॉ. सुबोध कुमार, दर्शनशास्त्र अध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार सिन्हा, अर्थशास्त्र अध्यक्ष प्रो. दुर्गेशमणि तिवारी, भूगोल अध्यक्ष प्रो. राकेश रंजन कुमार, उर्दू अध्यक्ष डॉ. जौवाद हुसैन, डॉ. नीरज कुमार सहित सभी अतिथि प्राध्यापक, सभी शिक्षकेतर कर्मी आदि शामिल हुए।

एलएनडी कॉलेज

राष्ट्रीय युवा कवि संगोष्ठी में कवियों ने किया कविता पाठ

सिटी रिपोर्टर|मोतिहारी

ऑनलाइन वेब संगोष्ठी की श्रृंखलाओं की कड़ी में बुधवार को शहर के लक्ष्मी नारायण दुबे महाविद्यालय में आंतरिक गुणवत्ता निश्चयन प्रकोष्ठ द्वारा राष्ट्रीय युवा कवि-कवयित्री गोष्ठी आयोजित की गई। हिंदी विभाग की ओर से आयोजित इस गोष्ठी का संचालन आयोजन सचिव, हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष ने किया।

गोष्ठी में महाविद्यालय के प्राचार्य महोदय प्रो. अरुण कुमार ने देश के विभिन्न प्रान्तों से जुड़े कवि-कवयित्रियों का स्वागत किया। गोष्ठी की अध्यक्षता बिहार के जाने माने कवि आलोक धन्वा ने की। उन्होंने कहा कि इस तरह की साहित्यिक गतिविधियों से महाविद्यालय की गरिमा बढ़ेगी तथा राष्ट्रीय पहचान भी मिलेगी। इस गोष्ठी में उत्तर-प्रदेश से दीपक जायसवाल, उत्तराखंड से अंकिता रासुरी, मध्यप्रदेश से अस्मूरारी नंदन मिश्र, पटना से नताशा वत्स, सुपौल से मिथिलेश कुमार राय, पटना से एकता प्रकाश, नई दिल्ली से अफसाना हयात, पटना से रश्मि प्रिया, भागलपुर से घुंघरू परमार तथा झारखण्ड से जगदीश सौरभ ने अपनी कविताओं, शेर एवं गजल से देश, दुनिया, समाज, राजनीति, प्रकृति व प्रेम का मनमोहक चित्रण प्रस्तुत किया। कवि आलोक धन्वा ने युवा कवियों-कवयित्रियों को भाषायी नसीहतें भी दी।

कार्य कर रहा है।

एलएनडी कॉलेज में राष्ट्रीय युवा कवि-गोष्ठी संपन्न

मोतिहारी। ऑनलाइन बेब संगोष्ठी की श्रृंखलाओं की कड़ी में बुधववार को लक्ष्मी नारायण दुबे महाविद्यालय, मोतिहारी में आंतरिक गुणवत्ता निश्चयन प्रकोष्ठ द्वारा राष्ट्रीय युवा कवि/कवयित्री गोष्ठी आयोजित की गई। यह काव्य गोष्ठी हिंदी विभाग की ओर से आयोजित की गई जिसमें गोष्ठी की आयोजन सचिव, हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष ने गोष्ठी का सफल संचालन किया। गोष्ठी में महाविद्यालय के प्राचार्य महोदय प्रो. (डॉ.) अरुण कुमार ने देश के विभिन्न प्रान्तों से जुड़े कवि/कवयित्रियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के साहित्यिक गतिविधियों से महाविद्यालय की गरिमा बढ़ेगी तथा राष्ट्रीय पहचान भी मिलेगी। इस गोष्ठी में उत्तर-प्रदेश से दीपक जायसवाल, उत्तराखंड से अंकिता रासुरी, मध्यप्रदेश से अस्मूरारी नंदन मिश्र, पटना, बिहार से नताशा वत्स, सुपौल, बिहार से मिथिलेश कुमार राय, पटना, बिहार से एकता प्रकाश, नई दिल्ली से अफसाना हयात, पटना, बिहार से रश्मि प्रिया, भागलपुर, बिहार से घुंघरू परमार तथा झारखण्ड से जगदीश सौरभ ने अपनी कविताओं, शेर एवं गजल से देश, दुनिया, समाज, राजनीति, प्रकृति, मानवीय यहसास, प्रेम का मनमोहक चित्रण प्रस्तुत किया।